भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3292

08 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

योग और प्राकृतिक चिकित्सा को मजबूत बनाना

3292. डॉ. भोला सिंह:
श्रीमती स्मिता उदय वाघ:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों के विकास, विस्तार और संस्थागत सुदृढ़ीकरण के लिए सरकार द्वारा अपनाई गई व्यापक कार्य योजना और कार्यान्वयन रणनीति का ब्यौरा क्या है;

(ख) वित्त वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा से संबंधित योजनाओं, कार्यक्रमों, संस्थाओं और प्रचार गतिविधियों पर वर्ष-वार और राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कुल कितना व्यय हुआ है;

(ग) उक्त अवधि के दौरान राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के अंतर्गत योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के विकास के लिए विशेषकर कितना वार्षिक बजट आवंटित किया गया है और इसका भौगोलिक वितरण क्या है;

(घ) इस अवधि के दौरान योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में अनुसंधान, नवाचार और साक्ष्य-आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिए कौन-सी नीतिगत पहल, अनुसंधान परियोजनाएं और केंद्र/संस्थान स्थापित किए गए हैं; और

(ङ) क्या सरकार ने प्रशिक्षण, जन जागरूकता और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों में एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकारों और निजी संस्थाओं के सहयोग से कोई विशेष पहल की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): आयुष मंत्रालय अपने तीन स्वायत्त निकायों नामत : मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई), नई दिल्ली, केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन), नई दिल्ली और राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एनआईएन), पुणे के माध्यम से योग और प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देता है।

एमडीएनआईवाई योग शिक्षा के लिए विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है। सीसीआरवाईएन योग और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों में अनुसंधान और विकास हेतु सर्वोच्च निकाय है। एनआईएन जो प्राकृतिक

चिकित्सा का एक प्रमुख संस्थान है, प्राकृतिक चिकित्सा और योग से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है। आयुष मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय, केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन), के अंतर्गत, रोहिणी, दिल्ली, झज्जर, हरियाणा और नागमंगला, कर्नाटक में तीन (03) केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान अस्पताल स्थापित किए गए हैं। साथ ही, एनआईएन के तत्वावधान में, पुणे, महाराष्ट्र में 250 बिस्तरों वाले शिक्षण अस्पताल सहित, 'निसर्ग ग्राम' नामक एक शैक्षणिक संस्थान की स्थापना की गई है|

एमडीएनआईवाई, सीसीआरवाईएन और एनआईएन की गतिविधियां और कार्यक्रम क्रमशः वेबसाइटों अर्थात yogamdniy.nic.in, www.ccryn.gov.in और ninpune.ayush.gov.in पर उपलब्ध हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की पहल पर, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। आयुष मंत्रालय हर वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आई डी वाई) मनाने के लिए नोडल मंत्रालय है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन सामान्य योग प्रोटोकॉल (सी वाई पी) पर आधारित सामूहिक योग प्रदर्शन पर केंद्रित है, जो योग पोर्टल (yoga.ayush.gov.in) पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है|

दुनिया भर के योग प्रेमियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, मंत्रालय ने योग ब्रेक (वाई - ब्रेक) मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया है। यह ऐप विशेष रूप से कार्यस्थल पर कार्यरत लोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है ताकि वे अपनी उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्वस्थ और तंदुरुस्त रह सकें।

आयुष मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने संयुक्त रूप से वर्ष 2019 में एम-योग नामक एक परियोजना शुरू की थी। इसमें वर्ष 2030 तक जन स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के तहत 'स्वस्थ रहें, गतिशील रहें' (बीएचबीएम) की अवधारणा की परिकल्पना की गई है। एम-योग मोबाइल ऐप को भारत के माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा दिनांक 21 जून, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2021 के अवसर पर लॉन्च किया गया था।

इसके साथ -साथ , मंत्रालय योग और प्राकृतिक चिकित्सा सहित आयुष चिकित्सा पद्धतियों के विकास और संवर्धन के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्र प्रायोजित योजना को क्रियान्वित कर रहा है। राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों को उनकी राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्रस्तुत प्रस्तावों के आधार पर अनुदान सहायता प्रदान की जाती है।

राष्ट्रीय आयुष मिशन (एन ए एम) के अंतर्गत, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के लिए सहायता किसी अलग बजट मद से प्रदान नहीं की जाती है, बल्कि इसे आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों (आयुष्मान आरोग्य मंदिर), जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों, बुनियादी ढाँचे के विकास और आयुष शिक्षण संस्थानों के सुदृढ़ीकरण जैसी विभिन्न पात्र गतिविधियों में एकीकृत किया जाता है। इन गतिविधियों का क्रियान्वयन राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों द्वारा उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुसार किया जाता है|

(ख) और (ग): आयुष मंत्रालय एमडीएनआईवाई, एनआईएन और सीसीआरवाईएन को अनुदान- सहायता के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करता है। वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक योग और प्राकृतिक चिकित्सा से संबंधित संस्थानों और प्रचार गतिविधियों पर किया गया कुल व्यय निम्नानुसार है:-

(करोड़ रुपए में)

वर्ष	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
आई डी वाई उत्सव	7.70	2.84	22.87	24.16	16.46
एमडीएनआईवाई	15.53	17.07	25.10	25.50	34.00
एन आई एन, पुणे	102.76	67.61	54.44	27.85	30.12
सीसीआरवाईएन	48.65	57.69	43.30	40.37	42.07

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के अंतर्गत, राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों से प्राप्त एसएएपी के आधार पर, आयुष मंत्रालय ने योग और प्राकृतिक चिकित्सा सहित विभिन्न गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए वर्ष 2020-21 से 2024-25 के दौरान ₹3406.932 करोड़ जारी किए। विवरण निम्न प्रकार है:-

(करोड़ रुपए में)

वर्ष	वास्तविक आबंटन (बी ई)	वास्तविक व्यय
2020-21	705.000	397.187
2021-22	553.800	458.386
2022-23	800.000	547.489
2023-24	1200.000	867.326
2024-25	1200.000	1136.544
योग	4458.800	3406.932

वर्षवार और राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण **संलग्नक** के रूप में संलग्न हैं।

(घ): आयुष मंत्रालय वर्ष 2021-22 से आयुर्ज्ञान योजना नामक केंद्रीय क्षेत्रीय योजना कार्यान्वित कर रहा है। इसका उद्देश्य अतिरिक्त प्राचीन अनुसंधान गतिविधियाँ और शैक्षणिक गतिविधियाँ, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण आदि प्रदान करके, शिक्षा प्रदान करते हुए आयुष में अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देना है। इस योजना के तीन घटक हैं: नामत : (i) आयुष में क्षमता निर्माण और सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई), (ii) वित्त वर्ष 2021-22 से आयुष में अनुसंधान एवं नवाचार, और iii) वित्त वर्ष 2023-24 से इस योजना में आयुर्वेद जीव विज्ञान एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान को जोड़ा गया है। आयुष घटक में अनुसंधान एवं नवाचार के अंतर्गत योग और प्राकृतिक चिकित्सा परियोजनाओं को सहायता प्रदान करने का प्रावधान है।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एनआईएन) प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एनआईएन), पुणे ने प्राकृतिक चिकित्सा और योग में साक्ष्य-आधारित अध्ययनों को सुदृढ़ करने के लिए एक समर्पित अनुसंधान विभाग की स्थापना की है। इस विभाग के अंतर्गत, एनआईएन ने इस अवधि के दौरान प्राकृतिक चिकित्सा, योग, जीवनशैली संबंधी विकारों और जन स्वास्थ्य से संबंधित विविध विषयों

को कवर करते हुए 60 से अधिक शोध अध्ययनों को सफलतापूर्वक संचालित और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ - समीक्षित वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित किया है।

इसके अलावा, वर्ष 2020-21 से 2024-25 के दौरान, आयुष मंत्रालय ने केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सी सी आर वाई एन) के अंतर्गत झज्जर, हरियाणा और नागमंगला, कर्नाटक में दो (02) केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (सी आर आई वाई एन) स्थापित किए हैं। परिषद प्रमुख चिकित्सा संस्थानों के साथ-साथ योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान करने हेतु सहयोगी अनुसंधान केंद्र (सी आर सी) स्थापित करने की योजना बना रही है। इसके साथ ही , मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करने हेतु देश भर के प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों में योग ओपीडी और एकीकृत चिकित्सा केंद्र स्थापित किए गए हैं।

(ङ): जी नहीं|

*****

संलग्नक

राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के अंतर्गत वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक जारी की गई राशि की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार स्थिति

(करोड़ रुपए में)

क्र. सं .	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25	कुल जारी
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	2.518	2.961	1.424	4.073	5.428	16.403
2	आंध्र प्रदेश	3.852	0.000	0.000	0.000	24.972	28.824
3	अरुणाचल प्रदेश	6.781	1.809	4.020	11.860	14.988	39.459
4	असम	3.472	6.395	10.118	34.715	65.119	119.818
5	बिहार	5.165	16.861	0.000	11.611	0.000	33.637
6	चंडीगढ़	1.958	0.949	1.897	2.263	4.476	11.543
7	छत्तीसगढ़	26.911	8.413	0.000	21.514	31.941	88.779
8	दादरा और नगर हवेली और दमण और दीव	0.000	0.000	0.000	4.085	6.907	10.992
9	दिल्ली	0.000	0.000	0.000	0.000	0.000	0.000
10	गोवा	0.660	2.190	1.423	6.283	6.107	16.662
11	गुजरात	2.440	4.669	19.086	29.614	26.231	82.041
12	हरियाणा	30.344	6.477	12.199	30.266	13.719	93.005
13	हिमाचल प्रदेश	4.949	12.618	38.736	36.592	28.991	121.886
14	जम्मू और कश्मीर	22.858	13.131	48.951	75.104	43.616	203.659
15	झारखंड	0.000	13.098	77.526	23.904	32.171	146.698
16	कर्नाटक	21.844	18.215	17.141	50.315	60.673	168.187
17	केरल	23.376	11.534	43.998	79.894	110.380	269.182
18	लक्षद्वीप	0.196	0.643	1.163	3.320	2.205	7.527
19	मध्य प्रदेश	56.086	31.232	17.160	61.200	81.696	247.374
20	महाराष्ट्र	0.000	0.000	0.000	22.355	26.812	49.167
21	मणिपुर	5.717	1.700	17.230	0.000	12.767	37.414
22	मिजोरम	6.577	2.591	1.173	10.579	11.015	31.934
23	मेघालय	2.480	6.098	7.968	17.226	15.205	48.977
24	नागालैंड	12.549	2.323	4.958	10.170	13.421	43.420
25	ओडिशा	7.166	10.754	0.000	0.000	23.692	41.612
26	पुददुचेरी	0.477	2.003	6.240	1.971	6.834	17.524
27	पंजाब	0.898	5.273	0.000	1.099	17.011	24.280
28	राजस्थान	22.764	31.890	0.000	37.315	150.518	242.487
29	सिक्किम	3.504	0.993	6.261	4.924	4.348	20.030
30	तमिल नाडु	6.166	23.483	24.287	66.358	73.803	194.096
31	तेलंगाना	0.000	31.323	0.000	12.252	24.914	68.488

32	त्रिपुरा	2.701	1.387	10.309	5.670	8.158	28.225
33	उत्तर प्रदेश	103.739	138.097	144.376	124.186	139.032	649.430
34	उत्तराखंड	6.565	26.225	18.558	32.344	24.411	108.103
35	पश्चिम बंगाल	2.473	21.180	10.566	33.794	23.084	91.098
36	लद्दाख	0.000	1.875	0.723	0.473	1.903	4.973
	कुल	**397.185**	**458.386**	**547.489**	**867.327**	**1136.544**	**3406.932**